भटनागर सभा

उदयपुर–313001

(INFORMATION BULLETIN)

सूचना–पत्र

कैलाश नारायण भटनागर
अध्यक्ष

•

देवेश भटनागर
महामंत्री

•

विजेश रमेश चन्द
प्रबन्ध सम्पादक

वर्ष 15, अंक 4(45)
15 अगस्त 2002

सम्पादक मण्डल

डॉ. राजेन्द्र मोहन

•

मोहन सिंह जालोरी

•

प्रेम सिंह बुन्देला

•

अरूणा मोहानिया

भटनागर सभा सदस्यगणों के लिये संदेश

मेवाड़ में भटनागर कायस्थ समाज का पिछली सदियों में बहुत गौरवशाली इतिहास रहा है। यहाँ के राजनीतिक, सामाजिक, आध्यात्मिक और धार्मिक उत्थान में हमारे भटनागर समाज की पिछली कई पीढ़ियों का सक्रिय योगदान रहा है। इसी वजह से उदयपुर में भटनागर कायस्थ समाज की संख्या अन्य राज्यों से बहुत ज्यादा है। भटनागर, राज्य में कई बार मंत्री पद पर रहे हैं, और कई महत्वपूर्ण विभागों में पदासीन होकर उन्हें संचालित करते रहे हैं।

मेवाड़ के शासकों का उन पर पूर्ण भरोसा रहा है, इसी वजह से वे विभाग पीढ़ी दर पीढ़ी उन्हीं के कुटुम्ब के लोगों के पास रहे और वही उनकी एक पहचान भी बन गई जो आज दिन तक विद्यमान है, उदाहरणत, महसानी, सहीवाला, फराशखाना वाले, बक्षीखाना, अनोखा वाले आदि–आदि। कई मंदिर और सार्वजनिक स्थान भी भटनागरों द्वारा बनवाये गये और कई ऐसे कार्य किये गए जिनकी गौरवगाथा आज भी यत्र–तत्र लोकोक्तियों में प्रचलित है। यहाँ तक की मेवाड़ की गौरवगाथा लिखने वाले श्री शामलदासजी द्वारा रचित उनके ग्रंथ "वीर विनोद" में भी उल्लेखित है।

ऐसे गौरवमय इतिहास और विरासत के होते हुए भी आज हमारे समाज के लोगों का आंकलन दूसरे समाज के लोगों के सामने निम्न होता जा रहा है। यह एक चिन्तन का विषय ही नहीं बल्कि सोच का समय है। हमें समझकर, फिर से एकजुट प्रयास कर अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा फिर से प्राप्त कर, भारत में सभी समाजों में अग्रणी होना है। आज भी हमारे लोगों में प्रतिभा, लगन और उत्साह की कमी नहीं है आवश्यकता है तो उचित मार्ग दर्शन द्वारा आर्थिक एवं सभी समस्याओं को लगन, श्रम और उत्साह से उनको निपटाने की, आवश्यकता है स्वयं एवं सामुहिक चरित्र उत्थान की और वरिष्ठ महानुभावों द्वारा अपने और आनेवाली पीढ़ी में यह भावना भरने की कि वे हर क्षेत्र में आगे बढ़े। प्राचीन एवं समय प्रमाणित मान्यताओं को समुचित आदर देते हुए आज के युग की धारणाओं और नवोदित मान्यताओं का सही आंकलन कर अपने लिये, समाज के लिये और देश के लिये कुछ भला कर लेने की अपने मन में अखण्ड ज्योति जगाये रखें।

जहाँ तक भटनागर समाज, उदयपुर का प्रश्न है कुछ कार्य इस दिशा में करने की आवश्यकता है। सुझाव के तौर पर निम्न प्रयास आरम्भ करने चाहिये जिससे और अधिक नैतिक, चारित्रिक, सामाजिक और आर्थिक उत्थान हो सके।

1. हर कुटुम्ब के वरिष्ठ लोग स्वयं के आचरण द्वारा यह कोशिश करें कि उनके परिवार के लोगों का अच्छा चरित्र निर्माण हो इसके लिये उन्हें स्वयं अपना चरित्र यथासंभव अच्छा और अनुकरणीय बनाने की पहल करनी होगी।

.....(2)

स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष में आप को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

भटनागर सभा, उदयपुर

2. प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा अनिवार्य तौर पर हर युवा और किशोर को पूरी कराने की जिम्मेदारी कुटुम्ब के मुखिया को लेनी होगी।

3. उच्च शिक्षा एवं उच्चोत्तर शिक्षा के प्रयास भी करने आवश्यक है। भटनागर समाज, प्रतिभाशाली, युवक, युवतियों को अगर आवश्यक हो तो आर्थिक सहायता प्रदान करें। इसके लिये एक फंड कायम किया जाय और बैंक की तरह उचित शर्तों पर आर्थिक सहायता दे।

4. हम लोग पीढ़ियों से नौकरी पेशा रहे है। आज के जमाने में उचित नौकरी सिर्फ खानदान की वजह से नही मिल सकती है इसके लिये युवाओं में प्रतियोगिता की भावना और आदत शुरू से डाले ताकि वे भारतीय प्रशासनिक सेवाओं और दूसरी नौकरियों में Compete करे, नौकरी हासिल करे और पूर्व की तरह प्राईवेट और सरकारी उच्च पदो पर फिर से अपना अधिपत्य जमावे।

5. समाज के लोगो को व्यापार जगत मे भी, आज के युग की आवश्यकता अनुसार लघु एवं मध्यम श्रेणी के उद्योग में आने के लिये प्रेरित करना होगा। अगर आवश्यकता हो तो सहकारी संस्था भी बनाई जा सकती है।

6. समाज के सभी परिवारो को सजरा एक जगह संग्रहित कर एक सन्दर्भ पुस्तक तैयार करने का प्रयत्न करना चाहिये ताकि हर परिवार का पुराना इतिहास एवं नई पीढ़ी के लोगो के बारे मे जानकारी मिल सके। कायस्थ समाज का इतिहास, श्री चित्रगुप्तजी महाराज का उदभव भटनागरो का भटनेर राज्य और अल्ल के बारे में खोज का प्रयत्न भी करना वांछनीय होगा।

7. समाज के पास अपने पूर्वजों द्वारा दिये गये जमीन, जायदाद (नोहरा, बर्तन, मन्दिर आदि) के पूर्ण कागजात संग्रहित कर उनके उचित उपयोग और निराकरण करने का प्रयास जरूरी है। समाज के लिये सामुदायिक केन्द्र के स्थान के लिये चित्रगुप्त मन्दिर के लिये भी उचित स्थान के लिये प्रयास जारी है पर उसमें तीव्रता लानी होगी।

8.समाज मे सांस्कृतिक, मनोरंजन, शैक्षिक एवं दिगर आयोजन समय–समय पर होते रहे है पर उसमें ज्यादा से ज्यादा लोगो की भागीदारी कराने का प्रयास और निरंतर चिन्तन की आवश्यकता है। रीतिरिवाजो पर भी चिन्तन और समयानुसार बदलाव लाने की आवश्यकता है।

9. राजस्थान के और जिलो में और भारत में भी कई प्रान्तो मे भटनागर सभा और कायस्थ सभा कार्यरत है आवश्यकता है उनसे मेलजोल और उसके साथ उचित आदान प्रदान की जिससे समाज का बहुमुखी उत्थान हो।

अंत में मैं यह कहना उचित समझता हूँ कि **दूसरो के काम में गलती ढूढने के बजाय अपने कार्य का अवलोकन करे।** संत कबीर का दोहा : **"बुरा जो खोजन मै चला तो, बुरा न मिलया कोय**
जो मन खोजा आपना तो, मुझसा बुरा ना कोय "
के अनुसार अपने कार्य को देखना उचित होगा। अगर हर मनुष्य अपने को सही रास्ते पर ले जाने की कोशिश करे और यह ध्यान रखे कि दूसरा गलती से आगे बढ़े तो उसका अनुसरण नही करे तो वह स्वयं के साथ–साथ अपनी और समाज की बड़ी सेवा करेगा। ऐसा समाज उच्च से उच्चतर होता जायेगा।

भटनागर समाज की इस चिन्तन वेला में सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्त्ताओं के सदप्रयासो के लिये बधाई।

भविष्य के लिये शुभकामनाओं सहित।

ललित बिहारी बक्षी

अगले अंक मे डॉ. एस. के. भटनागर द्वारा समाज की दिशा निर्धारण हेतु विचार मंथन!

समाज इनसे गौरवान्वित है

मेजर सुजीत पंचोली, देश की प्रतिरक्षा सेवा मे अपूर्व शौर्य प्रदर्शन के लिए एक जाना माना नाम, जिसे न सिर्फ सेना ने अपितु गत दिनो गुजरात स्थापना दिवस पर गांधी नगर में आयोजित समारोह में भी सम्मानित किया गया।

प्रौढ़ों के शिक्षण प्रशिक्षण के अन्तरराष्ट्रीय संघ, विश्व शान्ति के शिक्षकों के अन्तर राष्ट्रीय संघ, मिलान की ग्लोबल युनिवर्सिटी, केन्द्रीय सूचना एंव प्रसारण मंत्रालय के क्षैत्रीय प्रचार निदेशालय तथा गुजरात के नेहरू युवा केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में हुए गुजरात गौरव सम्मान समारोह मे राज्यपाल महामहिम श्री सुन्दर सिंह भण्डारी ने मेजर पंचोली को शाल ओढ़ा, प्रशस्ति पत्र एंव स्वर्ण पदक प्रदान किया।

भटनागर सभा कल्याण कोष

दिनांक 10 अगस्त को आयोजित कार्य कारिणी की बैठक मे **भटनागर समाज कल्याण कोष**'' की सदस्य संख्या बढ़ा कर 100 तक ले जाने पर चर्चा की गई। कोष के संयोजक श्री राजकुमार नागोरी ने कोष की वर्तमान सदस्य संख्या तथा वित्तीय स्थिति एवं उससे प्राप्त होने वाले लाभ का विस्तृत ब्यौरा दिया। श्री राजकुमार ने बताया कि किसी अप्रत्याशित घटना, दुर्घटना, प्राकृतिक प्रकोप के कारण **सदस्य** का आकस्मिक निधन हो जाता है, या अपंगता के कारण वह सेवामुक्त हो जाता है तो परिवार के सदस्यों को आर्थिक सहायता पांच वर्ष तक मिलती रहेगी। कल्याण कोष की राशि "**भटनागर समाज कल्याण कोष**" के नाम से बैंक मे जमा रहेगी तथा संयोजक एवं भटनागर सभा अध्यक्ष या कोषाध्यक्ष के हस्ताक्षर द्वारा निकाली जा सकेगी।

इस बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने हेतु श्री राजकुमार नागोरी से सम्पर्क किया जा सकता हैं।

भगवान श्री चित्रगुप्त की पूजा एवं कथा आयोजन

दीपावली, 2002 — श्री सुरेश चन्द्र पचपारिया पुत्र श्री तेजसिंह जी
होली, 2003 — श्रीमती विजय लक्ष्मी धर्मपत्नी (स्व.) श्री जसवन्त सिंह जी जालोरी
दीपावली, 2003 — श्रीमती उमराव देवी धर्मपत्नी (स्व.) श्री मनोहर सिंह जी नागोरी
होली, 2004 — श्री भारत सिंह गुढेलिया पुत्र श्री गोविन्द सिंह जी

विशेष : 13 अप्रैल 2002 के अंक मे प्रकाशित, कथा हेतु प्रायोजको के नाम में, 26 मार्च 2001 के अंक मे प्रकाशित श्री सुरेश पचपारिया का नाम रह जाने से प्रायोजको के क्रम मे परिवर्तन हुआ है परिजनो को असुविधा के लिये खेद।

यदि आपके यहां कोई सुखद घटना यथा विवाह, शिशु जन्म, गृह प्रवेश, राज्य जिला या राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त हुआ है तो इस खुशी मे समाज को भी भागीदार बनायें। कृपया अपने क्षैत्रीय प्रतिनिधि को लिखित मे सूचित करें। हम सूचना-पत्र मे नि:शुल्क प्रकाशित करेंगे।

पुरुषार्थ बधाई

श्री कमल सिंह नागोरी का आखिल भारतीय कायस्थ महासभा की प्रदेश कार्य कारिणी में महामंत्री एंव महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सन् 2002 से 2005 तक स्थाई आमन्त्रित सदस्य मनोनीत किया गया।

श्री ओमप्रकाश जालोरी वरिष्ठ रेडियोग्राफर, महाराणा भूपाल चिकित्सालय, उदयपुर को 15 अगस्त 2002 को उनकी सद्भावी कर्तव्यनिष्ठा एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए नियन्त्रक र.ना.टे. आयुर्विज्ञान महाविद्यालय द्वारा प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया।

श्री आशीष कालावत का "अलवाडी इन्टरनेशनल स्कूल" जेद्दा (सऊदी अरब) मे कम्प्यूटर विज्ञान मे प्राध्यापक के पद पर 700 प्रतियोगियों की प्रतिस्पर्धा मे चयन हुआ है। श्री आशीष राजस्थान से एक मात्र चयनित प्रतिभा है।

श्री आदेश कालावत "ज़ू डेवलपमेन्ट कमेटी (ट्रस्ट) राजस्थान वन विभाग तथा अनाला द्वारा जयसमन्द वाइल्ड लाइफ सेंच्युरी मे प्रशिक्षण हेतु चयन के पश्चात् तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त किया इस अवधि मे पशु–पक्षियों, वृक्षों लताओ को निकट से देखने का अवसर मिला। उल्लेखनीय है कि पूर्व मे भी श्री आदेश कालावत को विश्व प्रकृति निधि भारत सरकार द्वारा पर्यावरण चेतना के सन्दर्भ मे सम्मानित किया गया।

स्व. सुश्री कमल कान्ता मोलावत को राजस्थान पेंशनर समाज जिला शाखा उदयपुर द्वारा दिनांक 19 मई 2002 को "पेंशनर समाज गौरव" (मरणोपरान्त) की उपाधि से अलंकृत किया गया।

सुश्री अलका पुत्री श्री महेन्द्र प्रतापसिंह मोलावत को सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा "विकलांग बालकों की प्रभावी शिक्षा के लिये व्यूह रचना" विषय पर शोध के लिए विद्या वाचस्पति (पी.एच.डी) की उपाधि प्रदान की गई।

सुश्री मेघा पुत्री श्री सुशील गोरावत ने उदयपुर विश्वविद्यालय मे एम. ए. अंग्रेजी साहित्य मे द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर।

श्री सुनील कुमार चोण्डावत, भारतीय खाद्य निगम उदयपुर संभाग (उदयपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, राजसमन्द, डूंगरपुर तथा सिरोही जिला) के अध्यक्ष पद पर चुने गए।

नूतन गृह प्रवेश

1. श्री रमेश चन्द्र एवं श्रीमती वनमाला सरसीवाल महता 24 / 4 / 02,
नन्दभवन 1–ख–22 (सी) गायत्री मगरा, उदयपुर फोन न. 493937
2. श्री रवीन्द्र एवं श्रीमती रेखा जालोरी, 6 / 5 / 02,
57 डी ब्लाक, हिरन मगरी सेक्टर – 14 (लिंक रोड सैक्टर 13–14)
फोन न. 483387

श्री रवीन्द्र जालोरी द्वारा नूतन गृह–प्रवेश पर 101.00/-रूपये सहयोग राशि

3. श्री किरण कुमार एंव श्रीमती शशिकला पचवारिया 20 / 6 / 02
13, नाकोड़ा नगर II, सेन्ट्रल अकादमी स्कूल के पास
रकमपुरा रोड, बेड़वास उदयपुर फोन न. 426957

शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियां-बधाई

1. **सुश्री स्वाती** पुत्री श्री प्रकाश चन्द सांचोरा उच्च माध्यमिक परीक्षा 72%
2. **सुश्री अंकिता** पुत्री श्री प्रकाश चन्द सांचोरा माध्यमिक परीक्षा 80.33%
3. **सुश्री पूजा** पुत्री श्री सतीश चन्द्र चोण्डावत माध्यमिक परीक्षा 67.67%
4. **श्री रवि** पुत्र श्री रमेश भटनागर (आनन्द, गुजरात) सीनीयर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा 82.02%
5. **श्री आशीष** पुत्र श्री विष्णु प्रसाद सेकेण्डरी स्कूल परीक्षा 78%
6. **सुश्री शालीनी** पुत्री श्री देवेन्द्र स्वरूपजी भटनागर बी.एस.सी 77.04%
7. **सुश्री सुरभि** श्री देवेश भटनागर सीनीयर स्कूल परीक्षा 61.54%

नोट : दिनांक 10.08.2002 तक प्राप्त सूचना के आधार पर

विवाह की शुभकामनाएं

1. चि. दुर्गेश पुत्र श्री बसन्त नारायण पचवारिया, संग सौ.का पारुल पुत्री श्री हरि कृष्ण भटनागर 25.4.2002
2. चि. संजय पुत्र श्री सुरेश चन्द्र सांचोरा, संग सौ.का सपना पुत्री श्री विजय चन्द चोण्डावत 8.5.2002
3. चि. अमित पुत्र श्री देवेन्द्र प्रताप जालोरी, संग सौ.का शिप्रा पुत्री श्री विजय कुमार 19.5.2002
4. चि. चन्द्र सिंह पुत्र श्री गणपत सिंह, संग सौ.का धनवन्ती पुत्री श्री राम राज जी 19.5.2002
5. चि. शम्भू सिंह पुत्र श्री गणपत सिंह, संग सौ.का प्रीति पुत्री श्री गोपाल सिंह पंचोली 21.5.2002
6. चि. राजेश पुत्र श्री चतर सिंह सहीवाला, संग सौ.का हेमलता पुत्री श्री के.पी. श्रीवास्तव 24.5.2002
7. चि. दीपक पुत्र श्री चतर सिंह सहीवाला, संग सौ.का. प्रज्ञा पुत्री श्री अरुण सागर 26.5.2002
8. सौ.का योगिता पुत्री श्री चेतन्य प्रकाश पंचोली, संग चि. अरुण पुत्र श्री पी.एन.माथुर 20.6.2002
9. सौ.का मनीषा पुत्री श्री प्रदीप बुन्देला, संग चि. अश्विन पुत्र श्री एन. के. सक्सेना 27.6.2002
10. चि. नितुल पुत्र डा. प्रकाश चोण्डावत, संग सौ.का वर्षा पुत्री श्री सुभाष जालोरी 2.7.2002

स्वर्ण सीढ़ी आरोहण

श्री प्रताप सिंह जी सांचोरा के प्रपौत्र चि. हर्षित (पुत्र श्रीमती अंजली–प्रवीण) के जन्म उपलक्ष्य में दिनांक 30.4.2002 को

शिशु जन्म

1. श्री राजेश चोण्डावत एवं श्रीमती अंजली पुत्री दिनांक 28.6.2002
2. श्री अविनाश मोलावत एवं श्रीमती प्रभा पुत्री दिनांक 8.8.2002

भूमि क्रय हेतु मुक्त हस्त से धनराशि जुटाइये एक दूसरे को इस पवित्र कार्य हेतु प्रेरित कीजिये।

इनसे मिलिए हमें इन पर नाज है

इस बार हम आपका परिचय दो अलग–अलग क्षेत्रों मे झण्डे गाड़ रही प्रतिभाओ से करवा रहे है ये है क्रिकेट के क्षेत्र मे देश विदेश मे झण्डे गाड़ चुके **निशान्त नागोरी** एंव इतिहास तथा चित्रकला के क्षेत्र मे मेवाडी चित्रकला पर प्रागेतिहासिक काल से रोशनी डालती **श्रीमती निधि नागोरी**

अपने नाम को सार्थक करती निधि नागौरी

श्रीमती निधि नागोरी ने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा सेन्ट मेरीज से आरम्भ की एंव सीढी दर सीढी अच्छे अंक प्राप्त करते हुए 1988 मे अंग्रेजी साहित्य में एम. ए. किया। ज्ञान पिपासा यहीं शान्त नहीं हुई 1990 मे 74% अंक प्राप्त कर विश्वविधालय मे इतिहास विषय मे दूसरा स्थान प्राप्त किया। 1995 मे विद्यावाचस्पति (P.H.D) उपाधि प्राप्त की।

हाल ही मे इन्होने "**चेंजिग फेजेज आफ मेवाड़ पेन्टिंग**" शीर्षक से पुस्तक लिखी है जिसमे प्रागेतिहासिक काल से वर्तमान काल तक की मेवाडी चित्रकला के स्वरूप एंव एतिहासिक तथ्यो पर प्रकाश डाला है।

श्रीमती निधि ने समय–समय पर प्रताप शोध प्रतिष्ठान महाराणा प्रताप स्मारक समिती, राजस्थान हिस्ट्री कांग्रेस, डा. राजेन्द्र प्रसाद भटनागर स्मृति व्याख्यान आदि के तत्वाधान मे आयोजित संगोष्ठियों मे पत्र वाचन किये। विभिन्न विषयों पर इनके लेख भी प्रकाशित हुए है जिनमें प्रमुख शीर्षक थी– "स्वतन्त्रता आन्दोलन मे राजस्थान की महिलाओं की भूमिका", "चित्रकला एंव व्यावसायिकता", "बान्दनवाडा युद्ध", "प्रताप कालीन चित्रकला" आदि।

बहुआयामी प्रतिभा की धनी श्रीमती निधि न सिर्फ शिक्षा अपितु अन्य क्षेत्रो यथा आकाशवाणी स्वर परीक्षा एंव प्रथम श्रेणी गाइड परीक्षा भी उत्तीर्ण कर इन गतिविधियों से जुड़ी है। चित्रांश यूथ क्लब की पूर्व साहित्य सचिव रही निधि वर्तमान मे रूरल इन्स्टिट्यूट मे अध्यापन के साथ–साथ अपनी नई पुस्तक "**मेवाड़ की भीति चित्रांकन परम्परा**" के लेखन मे व्यस्त है।

कई देशों में झण्डे गाडे हैं निशान्त ने...

चाहे खेल हो अथवा शिक्षा, विज्ञान हो अथवा राजनीति भटनागर समाज ने ऐसी कई प्रतिभाओं को जन्म दिया है, जिनका नाम देशभर में गर्व से लिया जाता है। ऐसा ही एक युवा प्रतिभा है **निशांत नागोरी**, जिन्होंने क्रिकेट के क्षेत्र में बल्लेबाज और विकेट कीपर के रूप में कई देशों में अपनी पहचान कायम की है।

मध्यमवर्गीय परिवार में पले–बढ़े निशांत नागोरी उर्फ 'गुड्डू' अध्ययन के साथ–साथ कई खेलों में राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में खेल चुके है और कई विदेशी दौरों पर भी जा चुके है। बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज और फुटबाल आदि खेलों में भी निशांत ने अनेक इनाम प्राप्त किये हुए है। अब तक 6 अंतर विश्वविधालयी क्रिकेट प्रतियोगिताओं में भाग लेने के अलावा 10 बार राज्य स्तरीय व 5 बार राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग ले चुके है तथा राजपुताना वारियर्स की ओर से इंग्लैण्ड, स्कॉटलैण्ड, एवं वैल्स के मैदानों पर बल्लेबाज एवं विकेट कीपर के रूप में अपना जौहर दिखा चुके हैं।

जुझारू व्यक्तित्व के धनी निशान्त नागोरी ने 1997 में एम.कॉम (अकाउंट्स) तथा पीजी डिप्लोमा (टैक्सेशन) में स्वर्ण पदक भी प्राप्त किया है साथ ही 3 वर्षीय चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट की ट्रेनिंग व पीजी डिप्लोमा इन कम्पनी सेक्रेट्री व एक वर्षीय कम्प्यूटर डिप्लोमा कर चुके निशान्त अभी तक अध्ययन में एक ओपनर की भांति डटे हुए एम.बी.ए. कर रहे है। निशान्त को महाराणा मेवाड़ फाउंडेशन द्वारा 1995 में महाराणा राजसिंह अवॉर्ड,1992 में महाराणा फतहसिंह अवॉर्ड तथा 1993 में गणतंत्र दिवस पर जिला कलेक्टर ने उदीयमान क्रिकेटर और 1988 में श्रेष्ठ विधार्थी के लिए सम्मानित किया है। 1998 में दिल्ली में आउटस्टेन्डिंग पर्सनालिटी अवार्ड तथा जैम ऑफ इण्डिया अवार्ड के सम्मान तथा 1997 में टेक्स बार एसोसियेशन द्वारा मेधावी विद्यार्थी से सम्मानित होने के बाद राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान पाने की इच्छा रखने वाले निशांत ने अन्य खेलों में भी समाज का नाम रोशन किया है।

नवीन भूखण्ड क्रय मे सहयोग

1.	श्री सोहन लालजी पुत्र श्री ईश्वर सिंहजी गौरावत (सलुम्बर)	5000.00
2.	सुश्री पुष्पलता पुत्री श्री पदमसिंहजी भुसीवाल (सलुम्बर)	5000.00
3.	श्री विरेश्वर सिंहजी पुत्र श्री सज्जनसिंहजी	2000.00
4.	श्री रवि पुत्र श्री जसवन्तसिंहजी	1001.00
5.	श्री योगेशचन्दजी पुत्र श्री रामनारायणजी कानूनगो (उज्जैन)	1001.00
6.	श्री विजयचन्द्रजी पुत्र श्री अमरचन्दजी चोंडावत	1001.00
7.	श्री छत्तरसिंहजी पुत्र श्री मोहनसिंहजी नागोरी	1000.00
8.	श्री सुभाषजी पुत्र श्री शिवदयालजी मोलावत	1000.00
9.	श्री स्वरूप नारायणजी (मन्दसौर)	501.00
10.	श्रीमती नारायण देवी पत्नी डा. सरदार सिंह जी	501.00
11.	श्री रघुनाथसिंह जी पुत्र श्री शिव नारायणजी भुसीवाल	500.00
12.	श्री सुरेशचन्द जी पुत्र श्री रतनसिंहजी साचोरा (खाखड़)	201.00

नवीन सदस्यता हेतु आभार

संरक्षक सदस्य

•	श्री सुधीर पुत्र श्री नाहरसिंहजी डाकोत	500.00
•	श्री सन्दीप पुत्र श्री गजेन्द्र नारायणजी बुन्देला (अमेरिका)	500.00
•	श्रीमती रीता पत्नी श्री सन्दीप बुन्देला (अमेरिका)	500.00

आजीवन सदस्य

1.	श्री योगेश पुत्र श्री खुमानसिंहजी चोण्डावत	200.00
2.	श्री अवनीश पुत्र श्री मोहनसिंहजी	200.00
3.	श्रीमती अंशु पुत्री श्री मोहनसिंहजी	200.00
4.	श्री अमोघ पुत्र श्री मोहनसिंहजी	200.00
5.	श्रीमती मंगला पत्नी श्री अमोघजी	200.00
6.	श्रीमती चन्द्रा पत्नी श्री अवनीश	200.00
7.	श्री प्रकाश नारायण कानूनगो पुत्र श्री रूपनारायणजी (इन्दौर)	200.00
8.	श्री प्रताप नारायण कानूनगो पुत्र श्री रूपनारायणजी (इन्दौर)	200.00
9.	श्री अशोक कुमार पुत्र श्री माधो स्वरूपजी बाबरीया	200.00
10.	श्रीमती आभा पत्नी श्री सुधीर डाकोत	200.00

नव सृजन

इस बार से *'नवसृजन'* शीर्षक से समाज के नवोदित साहित्यकारों को आमन्त्रित कर रहे हैं। इस अंक में सुश्री आंचल पुत्री श्री आजाद सांचोरा एवं श्री अजय पुत्र श्री लहरसिंह गुडेलिया द्वारा प्रस्तुत कविताएं देशभक्ति एवं देश की प्रगति को समर्पित है। आशा है प्रबुद्ध पाठकगण नवोदित साहित्यकारों का उत्साहवर्द्धन करेंगे।

फिर से ललकारा है...

भारत मां के बेटों जागो,
फिर से मां ने पुकारा है,
आज शत्रु की शैतानी ताकत ने,
फिर से हमें ललकारा है।

जीना मुश्किल कर दो उसका,
जो मां का मस्तक जो मांग रहा है,
भारत मां को लज्जा देकर,
नहीं, जीना हमें गंवारा है।

आज शत्रु की ......

मत भूलो वीर शिवाजी महाराष्ट्र की थे शान,
राणा प्रताप भी तो थे हमारे शेरे राजस्थान,
मत भूलो लक्ष्मी, राणा को जिसने,
रण में शत्रु को चुन–चुन मारा है।

आज शत्रु की ......

याद करो तांत्या टोपे, भगतसिंह की कुर्बानी को,
याद करो मंगल पाण्डे, सरदार पटेल की ज़बानी को,
याद करो तुम उन वीरों को, जिनसे शत्रु हरदम हारा है।

आज शत्रु की ......

समय नहीं है अब सोने का,
समय नहीं है अब खोने को,
ना ही बेटो की याद में रोने का
अब तो सीमा पर हा हा कार मचाना है

आज शत्रु की ......

आज समय है बलिवेदी पर शीश चढ़ाने का
आज समय है शत्रु को मार भगाने का,
भारत मां के बेटों जागो,
फिर से मां ने पुकारा है.........

सुश्री आंचल भटनागर
ग्राम – खाखड़, उदयपुर

पथ ....

सुख दुःख जीवन की धारा है,
हंसते चलना ही किनारा है,
कांटे हो या महल पत्थर के,
हिम्मत ही उसका नारा है।

मुश्किल से कभी घबराना नहीं,
पीछे मुड़कर भी देखना नहीं,
प्रयत्न निरन्तर ही करना है,
चलना, बस चलते ही रहना है।

उन्नति राष्ट्र की समाज से है,
उन्नति समाज की हमी से है,
सफलता मिले या न मिले,
बस, बढ़ते जाना है।

सुख दुःख जीवन की धारा है
पर आगे ही बढ़ते जाना है।

अजय भटनागर
हि.म. सेक्टर 11, उदयपुर

समाज के प्रति आपका दायित्व
आपको पुकार रहा है।

भटनागर सभा का है यह सपना।
उदयपुर में हो नवीन भूखण्ड अपना।।

यदि आप साहित्य सृजन करते हैं तो प्रकाशन हेतु हमें अवश्य उपलब्ध करावें। समाज के बुजुर्ग अपने अनुभवों से भी समाज को लाभान्वित कर सकते हैं। बालक स्वरचित अथवा संकलित रचनाएं भेज सकते हैं।

श्री चित्रगुप्त वंश शृंखला

श्री ब्रह्मा जी महाराज के चित्त से

श्री चित्रगुप्त जी महाराज उत्पन्न हुये जिनकी दो स्त्रियां हुई

प्रथम स्त्री इरावती

ब्रह्मा के मरिची, मरिची के कश्यप, कश्यप के विवस्वान, विवस्वान के धर्मशर्मा
धर्मशर्मा के इरावती अथवा सुनावती जिनके 8 पुत्र हैं।

इरावती के 8 पुत्रों के नाम

1	2	3	4	5	6	7	8
चारू	सुचारू	चित्र	मतिमान	हिमवान	चित्रचारू	वारूण	अतिन्द्रिय

दूसरे नाम से प्रसिद्ध हुए
युगन्धर, धर्मदत्त, भानुप्रकाश, रामदयाल, सारंगधर, दामोदर, दीनदयाल, राघोराम

इन के स्त्रियों का नाम
पद्मिनी, पजाक्षी, मालिनी, रम्भा, भुज ाक्षी, कोकिलस्वना, सुखदेवी, सुजुभाषिनी

देशों के नाम से जो प्रसिद्ध हुये
माथुर, गौड़, भटनागर, सक्सेना, अम्बष्ठ, कर्ण, अष्ठान, वाल्मीक

नाम इष्ठ देवियों का जिन को आराधन किया
दुर्गा, जयंती, जयंती, शाकम्भरी, दुर्गा, शाकम्भरी, शाकम्भरी, लक्ष्मी

द्वितीय स्त्री नन्दिनी

ब्रह्मा के मरिची, मरिची के कश्यप, कश्यप के विवस्वान, विवस्वान के श्राद्धदेवमन्
श्राद्धदेवमन् के दक्षिणा देवकल्प अथवा नन्दिनी जिनके 4 पुत्र हुए

नन्दिनी के 4 पुत्रों के नाम

9	10	11	12
भानु	विभानु	विश्वभानु	वीर्यवान

दूसरे नाम से प्रसिद्ध हुए
धर्मध्वज, श्यामसुन्दर, सुमत, सदानन्दलाल

इन के स्त्रियों का नाम
नर्मदा, भद्रकालिनी, गंडकी, कामकला

देशों के नाम से जो प्रसिद्ध हुये
श्रीवास्तव, सूरजध्वज, निगम, कुलश्रेष्ठ

नाम इष्ठ देवियों का जिन को आराधन किया
लक्ष्मी, दुर्गा, जयंती,लक्ष्मी

संकलन :
विकास मोलावत
संदर्भ:- श्री रघुनंदन श्रीवास्तव जी (बनारस)
की पुस्तक "*चित्रगुप्तेश्वर पुराण*" से साभार

निकटतम रिश्तों में विवाह के दुष्परिणाम

आज के इस युग में, जहाँ चारों और हम तरक्की करके अपने आप को इस युग के साथ मिलकर चल रहे है, वही दूसरी तरफ आज भी हमारा समाज विवाह–बंधन जैसे अति महत्वपूर्ण रिश्ते के मामले में गंभीरता से नहीं सोचता है। हम सिर्फ यह सोचकर कि यह अमुक व्यक्ति और उसका परिवार हमारा निकट संबंधी है और हम उसे और उसके परिवार से भली–भांति परिचित है, विवाह जैसा रिश्ता तय कर देते है, किन्तु हम वास्तविकता की अनदेखी कर देते है क्योंकि विज्ञान (मेडिकल साइन्स) के अनुसार निकटतम रिश्तों में विवाह अनुचित है तथा इसके गंभीर परिणाम आने वाली पीढ़ी को भुगतने पड़ सकते है।

हमारे पूर्वज भी इसके परिणामों के बारे में समझते थे तभी तो वे माँ–बाप की सात पीढ़ी तक के रिश्तेदारों को छोड़कर विवाह–बंधन करते थे। अतः आज इस लेख के माध्यम से मैं आप सभी को निकटतम सम्बन्धों में विवाह के गंभीर परिणामों के बारे में जागरूक करना चाहता हूँ।

हमारे शरीर के हर **Cell** में **Chromosome** होता है, इसी के ऊपर **Genes** होते है। ये **Genes** ही हमारी वंशानुगत संरचना के जिम्मेदार होते है। नजदीक रिश्तेदारों में विवाह होने पर अगर दोनों नर–नारी में बीमारी के **Genes** होते है तो वे मिलन पर **Activate** हो जाते है जिसके फलस्वरूप आने वाली संतान को बीमारीयाँ होने का अंदेशा रहता है।

यह बीमारियाँ इस प्रकार है–

1. **ALBINISM** : (सूरजमुखी) इस बीमारी में सारा शरीर एवं बाल सफेद हो जाते हैं।
2. **HEMOPHILIA / CHRISTMAS Disease** – इस बीमारी में छोटी–मोटी चोट से bleeding हो जाती है जो आसानी से बंद नहीं होती है।
3. **THALESSEMIA** (थेलेसिमिया) यह एक प्रकार का ऐनिमिया है जिसके Hemoglobin की कमी हो जाती है और खून की कमी पूरी करने के लिये बार–बार खून चढ़ाना पड़ता है।
4. **Metabolic disorders** : जैसे कि **Pbenylketonuria, Homoescyteinemia muco-polyssacharidosis** आदि इनके होने पर बच्चे में मानसिक बीमारी से ग्रसित एवं विक्षिप्त हो सकते हैं।
5. कुछ बीमारीयाँ जैसे **MDP (Manic Depressive Psychosis)** एवं बहुत सी आम बीमारीयाँ जैसे की मधुमेह, ह्रदय–रोग, ब्लड प्रेशर, कैंसर मैं भी पारिवारिक रोग की तरह है जो कि एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी पर (Transfer) हो सकते है।

अतः यह आवश्यक है कि हम निकट रिश्तेदारों में आपसी विवाह न करके अपनी भावी पीढ़ी का इन सभी गंभीर बीमारियों से बचाव में योगदान करें।

डॉ. विशाल भटनागर

सभा द्वारा पिकनिक का आयोजन

दिनांक : 1 . सितम्बर . 2002

स्थान : अमरख जी महादेव

सहयोग राशि– रू. 30.00 (तीस रूपये) प्रति सदस्य
(दस वर्ष से अधिक आयु के)

कृपया :–

(1) सहयोग राशि 27.8.2002 तक अपने क्षैत्रीय प्रतिनिधि के पास जमा करा देवें।

(2) पिकनिक स्थल तक अपने साधन से 9:30 बजे पूर्वान्ह तक अवश्य पहुँचें।

विशेष

पिकनिक स्थल पर 'एक मिनिट प्रतियोगिता का आयोजन होगा। (प्रति व्यक्ति 5/- रू.)
आमोद प्रमोद, मनोरंजन के अन्य कार्यक्रम
सभा द्वारा आयोजित अन्य भावी प्रतियोगिताओं की घोषणा पिकनिक स्थल पर।

पिकनिक स्थल पर नाश्ता 11 बजे पूर्वान्ह तक एवं भोजन सांय 4 बजे से

कृपया अपने परिजनों के साथ अधिकाधिक संख्या में भाग लेवें।

अनुरोधकर्ता
भटनागर सभा, उदयपुर

यदि आपके परिवार का बालक बोर्ड या विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षाओं में 60 % से अधिक अंक प्राप्त करता है तो उसकी सूचना मय अंकतालिका की फोटोप्रति केवल अध्यक्ष या महामंत्री को उपलब्ध कराए। इनके नाम बधाई 'सूचना–पत्र' में निः शुल्क प्रकाशित की जायगी। साथ ही प्राप्त सूचना के आधार पर सर्वाधिक % अंक पाने वाले छात्र / छात्रा को सम्मानित किया जायगा। कृपया अपने बालकों का उत्साह वर्धन करें, सभा को सहयोग दें।

नवीन/संशोधित पता एवं दूरभाष संख्या

उदयपुर के बाहर

1. श्री अविनाश भटनागर 8–बी हाइवे अपार्टमेन्ट S.F.S फ्लेट्स गाजीपुर दिल्ली–9,8. फोन नं.–(011) 4923121
2. श्री प्रकाश नारायण कानूनगो, 347 तिलक नगर, इन्दौर (म.प्र)
3. श्री प्रताप नारायण कानूनगो, 14–बी, वैभवनगर एक्सटेंसन सेक्टर–सी कनाडिया रोड, इन्दौर (म.प्र.), फोन नं.–452016

उदयपुर शहर

1. डॉ.बी.पी. भटनागर, 1443 गायत्री नगर हिरन मगरी से. 5, उदयपुर ☎ 465796 (R) 465812 (S)
2. श्री अशोक कुमार पुत्र श्री माधो स्वरूप बाबरिया म.न. 529 रोशन कोलोनी, सवीना खेड़ा सेक्टर–12, उदयपुर ☎ 488045
3. श्री चन्द्र मोहन भटनागर 12, गोकुल नगर, बोहरा गणेश मन्दिर के पास, उदयपुर ☎ 427728
4. श्री रवीन्द्र प्रताप वाकोत 4–ख–1 सेक्टर 11, सामुदायिक केन्द्र के सामने, उदयपुर ☎ 488254
5. श्री उमराव सिंह मुडेलिया 3 ब 16 प्रभात नगर, उदयपुर ☎
6. श्री अनिल बक्षी 220 सेक्टर 6, 'रामायण' जे.बी.अस्पताल के पीछे
7. श्री देवेश भटनागर 51 इन्द्रप्रस्थ कॉम्पलेक्स, रोशन जी की बाड़ी हि.म.से.14
8. श्री राकेश भटनागर 'दितिभ' 1, न्यू अहिंसापुरी (शिक्षा नगर) उदयपुर ☎ 450583
9. श्री राजेन्द्र प्रसाद 13, इन्द्रप्रस्थ कॉम्पलेक्स, रोशन जी की बाड़ी हि.म. सेक्टर 14, उदयपुर ☎
10. श्री मुकेश मुडेलिया द्वारा न्यू गणेश प्रिन्टर्स,पानेरियों की मादड़ी राजकीय स्कूल के सामने, उदयपुर ☎

स्वर्गारोहण

वासांसिजीर्णानि यथाविहाय, नवानिगृहाति नरोपराणी।
तथा शरीराणी विहाय जीर्णान्य–न्यानि संयतिनवानिदेहि।।

1.	श्री सज्जन सिंह जी पुत्र श्री केसरी सिंह जी फर्शपरवाना वाला	18/4/02
2.	श्रीमती शारदा देवी पत्नी श्री खुमाण सिंह जी चौण्डावत	01/5/02
3.	श्री प्यारेलाल जी पुत्र श्री गुलाब चन्द जी नागोरी	05/5/02
4.	श्री भगवती प्रसाद जी पुत्र श्री रामचन्द्र जी	15/5/02
5.	सुश्री मृदुला (बबलू) पुत्री श्री गोवर्धन सिंह जी कालावत	29/5/02
6.	श्री प्रवीण चन्द्र पुत्र श्री जयचन्द्र चौण्डावत	06/6/02
7.	श्रीमती आनन्दबाई पत्नी श्री रामनारायण जी कानूनगो	07/6/02
8.	श्रीमती देव कुंवर बाई पत्नी लाला श्री मनोहर लाल जी	17/7/02
9.	श्रीमती आशा पत्नी श्री राजेन्द्र सिंह जी मुडेलिया	24/7/02
10.	श्री हरनारायण सिंह बक्षी (जयपुर) पुत्र श्री सुखलाल जी	02/8/02
11.	श्री राम कृष्ण भटनागर पुत्र श्री महाराज कृष्ण जी	02/8/02
12.	श्री श्याम लाल चौण्डावत पुत्र श्री नन्दलाल जी	04/8/02

भटनागर सभा उदयपुर - आय-व्यय मानचित्र

1–04–2002 से 31–07–2002

क्र.स.	नाम पद	पूर्व का शेष ([illegible])	आय	व्यय	शेष
1.	सूचना पत्र प्रकाशन	9230	420	1125	8525
2.	संरक्षण / आजीवन सदस्य	5400	3400	—	8800
3.	विभिन्न प्रतियोगिताएँ	0562	3800	3635	0727
4.	पंचायती नोहरा	(-)10560	—	1580	(-)12140
5.	स्टेशनरी	(-)215	—	1150	(-)1365
6.	स्मारिका / परिवार निर्देशिका	2650	—	40,000	(-)37350
7.	विविध व्यय	(-)656	—	42	708
8.	आयोजन–प्रयोजन	(-)3970	2800	3216	4386
9.	विधवा सहायता कोष	——	2000	2000	—
10.	शिक्षा	——	—	20,000	(-)20,000
विशेष	नवीन भूखण्ड	446153	13503	—	459656

(1) इस मानचित्र में नवीन भूमि क्रय मद को छोड़कर शेष में पूर्व वर्षों का बेलेन्स समाहित नहीं है।
(2) जिन मदों में (-) व्यय दर्शाया गया है उन मदों की पूर्व स्थिति स्पष्ट होने पर वस्तुस्थिति स्वतः स्पष्ट हो जावेगी।

प्रेषक :
देवेश भटनागर
महामंत्री
51,इन्द्रप्रस्थ कॉम्पलेक्स,
रोशन जी की बाड़ी,
हि.म.से 14, उदयपुर
☎

बुक–पोस्ट

सेवामें,
श्रीमान् / श्रीमती ....
....
....

सम्पर्क सूत्र : कैलाश नारायण भटनागर, अध्यक्ष, भटनागर सभा, 3,प–4, प्रभात नगर, सेक्टर–5, उदयपुर, दूरभाष : 464769

सचिन कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, फोन 200318